JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

जिला सहकारी बैंक का कृषि क्षेत्र में योगदान और लाभ: रायसेन जिले के संदर्भ में

रेखा सराठे[1], डॉ. भानु साहू[2]

[1]पीएचडी स्कॉलर, एमपीयू भोपाल, भारत

[2] एसो. प्रो., , एमपीयू भोपाल, भारत

सारांश: इस समीक्षा मेंए हमने जिला सहकारी बैंक के कृषि क्षेत्र में योगदान के विभिन्न पहलुओं की गहन विश्लेषण किया है। हमने इसके संबंध में नीतियोंए योजनाओंए और कार्यक्रमों की जांच की है जो कृषि उद्यमियों को लाभ पहुंचाने और उनकी समृद्धि में मदद करते हैं। हमने इस समीक्षा में आर्थिक और सामाजिक परिणामए कृषि उत्पादकता और उद्यमित क्रियाएँए ऋण वितरणए बैंक की सेवाओं की प्रभावशीलताए और कृषि क्षेत्र में बैंक के योगदान के प्रभाव के बारे में विचार किए हैं। हमने जिला सहकारी बैंक के सदस्यों की समर्थन की महत्वपूर्णताए उनके आवश्यकताओं के अनुरूप वित्तीय समाधानों की प्रदान करने में बैंक की सक्षमता की विश्लेषणा की है।

इस समीक्षा मेंए हमने रायसेन जिले के कृषि क्षेत्र में जिला सहकारी बैंक के योगदान की महत्वपूर्णता और उसके प्रभाव को समझने का प्रयास किया है। हमने बैंक के वित्तीय उपायोंए कृषि ऋण पॉर्टफोलियोए उद्यमिता की बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासोंए और कृषि समृद्धि को प्रोत्साहित करने वाले संगठनों की मुख्यता पर ध्यान केंद्रित किया है। हमने भी उन प्रशासनिक और कार्यात्मक चुनौतियों का विश्लेषण किया है जो इस क्षेत्र में बैंक के योगदान को प्रभावित कर सकती हैं।

इस समीक्षा लेख के माध्यम सेए हमें यह समझने में सफलता मिली है कि जिला सहकारी बैंक कृषि क्षेत्र में योगदान रायसेन जिले के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह बैंक कृषि समृद्धि के संकल्प को साकार करनेए किसानों को आर्थिक रूप से स्थिर करने और उनके विकास का समर्थन करने के लिए कार्यरत है। यह बैंक उच्च गुणवत्ता वाली वित्तीय सेवाएं प्रदान करता है जैसे कि किसानों के लिए विशेष ऋण योजनाएंए संचय खाताए बीमा योजनाएंए बैंकिंग सुविधाएं और डिजिटल लेंडिंग समाधान।

प्रमुख शब्द:-बैंक के उद्देश्य, ऋण वितरण प्रक्रिया, निधियाँ, कृषि एवं ग्रामीण विकास

1.प्रस्तावना I:जिला सहकारी बैंक (क्पेजतपबज ब्ववचमतंजपअम ठंदाद्ध एक सहकारी वित्तीय संस्था होती है जो किसानों और ग्रामीण समुदायों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इन बैंकों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देना होता है और किसानों को विभिन्न वित्तीय सुविधाएं प्रदान करके उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार करना है।

जिला सहकारी बैंक ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी शाखाओं के माध्यम से वित्तीय सेवाएं प्रदान करते हैं। ये बैंक किसानों को कृषि ऋणए उपज वितरण ऋणए मण्डी ऋणए किसान क्रेडिट कार्डए गाड़ी वाणिज्यिक ऋणए सामान्य ऋण और सहकारी समिति के लिए ऋण जैसी विभिन्न वित्तीय सुविधाएं प्रदान करते हैं। इनके अलावाए जिला सहकारी बैंक नकदी जमाए खाता खोलनेए चेक बुकए इंटरनेट बैंकिंगए अट्म मशीन और इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर जैसी सुविधाएं भी प्रदान करते हैं।

जिला सहकारी बैंक समुदाय के सदस्यों द्वारा संचालित होती है जिला सहकारी बैंक समुदाय के सदस्यों द्वारा संचालित होती है और इसकी संचालन मंडली में समुदाय के प्रतिनिधि निर्वाचित किए जाते हैं। यह बैंक समुदाय को सामाजिक आर्थिक सहयोग प्रदान करने के साथ-साथ सदस्यों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने का उद्देश्य रखती है। इसका मुख्य लक्ष्य सामरिक बैंकों की तुलना में कम आवश्यकताएं और सरकारी बैंकों की तुलना में अधिक उचित ब्याज दरें प्रदान करके सदस्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

जिला सहकारी बैंक एक संगठित ताकत के रूप में कार्य करती है जो ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है। इन बैंकों का महत्वपूर्ण लक्ष्य सदस्यों को सामरिक बैंकों या निजी वित्तीय संस्थाओं के मुकाबले सस्ते और उपयुक्त वित्तीय सेवाएं प्रदान करना है। इसके अलावाए ये बैंक सदस्यों को ऋणोंए बचत खातोंए आवर्ती जमाए लोन योजनाओंए स्वरोजगार योजनाओंए किसान क्रेडिट कार्ड किसान क्रेडिट कार्डए वित्तीय सलाहए बीमा सुविधाएंए बैंक गारंटी और अन्य वित्तीय सेवाएं प्रदान करते हैं। यहां तक कि जिला सहकारी बैंक अपने सदस्यों को वित्तीय शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से भी सहयोग प्रदान करता है।

जिला सहकारी बैंक की प्रमुख प्रेरणा स्वरूप उद्देश्य एक समृद्ध और आर्थिक रूप से सुस्थ ग्रामीण समुदाय का निर्माण करना है। इन बैंकों का महत्वपूर्ण कार्य है कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय सुविधाओं को पहुंचने के माध्यम से ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति में सुधार करते हैं और सहकारी आंदोलन को बढ़ावा देते हैं। इसके माध्यम सेए ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता को प्रोत्साहित किया जाता हैए किसानों और छोटे व्यापारियों को वित्तीय सहायता प्राप्त होती है और सामुदायिक विकास को संवर्धित किया जाता है।

जिला सहकारी बैंक का महत्वपूर्ण कार्यक्षेत्र ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक विकास में सहयोग प्रदान करना है। इन बैंकों के उद्देश्यों में शामिल हैं:

ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समृद्धि को बढ़ावा देना: जिला सहकारी बैंक ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। ये बैंक ग्रामीण समुदायों को उचित ब्याज दर पर ऋण प्रदान करके कृषिए उद्योगए व्यापार और स्वरोजगार जैसे क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को समर्थन करती है।

सदस्यों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करना: जिला सहकारी बैंक सदस्यों की विभिन्न वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है। इनमें बचत खाताए चेक बुकए इंटरनेट बैंकिंगए ऋण योजनाएंए बीमा सुविधाएं और अन्य वित्तीय सुविधाएं शामिल हो सकती हैं।

सहकारी आंदोलन को समर्थन करना: जिला सहकारी बैंक सहकारी आंदोलन को समर्थन करती है और सहकारी संस्थाओं के माध्यम से समुदाय के विकास को सुनिश्चित करती है। इन बैंकों का संगठन और संचालन सदस्यों के सहयोग पर आधारित होता हैए जहां सदस्यों को अपनी आवाज़ सुनाई जाती है और उनकी आर्थिक आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाती है।

सामुदायिक विकास को प्रोत्साहित करना: जिला सहकारी बैंक सामुदायिक विकास को प्रमुख महत्व देती है। यह संस्था सामुदायिक विकास कार्यक्रमों को समर्थन करती है और ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिताए रोजगारए शिक्षाए स्वास्थ्यए सामाजिक सुरक्षा और पर्यावरण सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में कार्य करने वाले सामुदायिक परियोजनाओं को संचालित करने में मदद करती है।

संप्रभुता और न्याय को सुनिश्चित करना: जिला सहकारी बैंक संप्रभुता और न्याय के मूल्यों का पालन करती है। यह बैंक सदस्यों के बीच समान और न्यायपूर्ण वित्तीय सेवाओं की प्रदान करके सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करती है। यह बैंक सदस्यों के बीच समान और न्यायपूर्ण वित्तीय सेवाओं की प्रदान करके सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करती है। यह बैंक अधिकृत संरक्षण और नियंत्रण में होती है ताकि उच्च गुणवत्ता और न्यायपूर्णता सुनिश चित हो सकें।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना: जिला सहकारी बैंक ग्रामीण क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में मदद करती है। इसके माध्यम सेए वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले सदस्य अपनी कृषि उत्पादनए उद्योगए व्यापार और अन्य आर्थिक गतिविधियों को मजबूत कर सकते हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों का सृजन होता है और आर्थिक स्वावलंबन की स्थिति में सुधार होता है।

सहकारी तत्वों की स्थापना और संरक्षण करना: जिला सहकारी बैंक सहकारी तत्वों की स्थापनाए संरक्षण और संचालन को समर्थन करती है। इन संगठनों के माध्यम सेए सदस्य सहयोगी बैंकए सहकारी उत्पादक संघए किसान सहकारी समिति और अन्य सहकारी संघों की स्थापना होती है जो सामुदायिक आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करते हैं।

सामुदायिक शिक्षा और प्रशिक्षण का समर्थन करना: जिला सहकारी बैंक सदस्यों को वित्तीय शिक्षाए प्रशिक्षण और योग सम्बन्धित कार्यक्रमों के माध्यम से सामुदायिक शिक्षा और प्रशिक्षण का समर्थन करती है। ये कार्यक्रम सदस्यों को वित्तीय ज्ञानए व्यवसायिक कौशलए उद्यमिता विकास और पेशेवर योग्यता को बढ़ाने में मदद करते हैं। साथ हीए उन्हें नवाचारी और आधुनिक व्यवसायों के लिए तकनीकी ज्ञान और दक्षता भी प्रदान की जाती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की पहुंच को सुधारना: जिला सहकारी बैंक ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की पहुंच को सुधारने का प्रयास करती है। ये बैंक सदस्यों को अपने निकटस्थ शाखाओंए ऑटोमेटेड टेलर मशीनोंए इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग की सुविधा प्रदान करती है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को वित्तीय सेवाओं तक पहुंचने में सुविधा होती है और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।

सामाजिक उत्पादन क्षमता को प्रोत्साहित करना: जिला सहकारी बैंक सामाजिक उत्पादन क्षमता को प्रोत्साहित करती है। यह संस्था सदस्यों को सामाजिक उद्यमिताए उत्पादन कौशलए संगठनात्मक क्षमताए औद्योगिक विकास और समुदाय सेवा में योग्यता को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण

कार्यक्रमों का आयोजन करती है। इसके माध्यम से सदस्य उच्चतर वाणिज्यिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं और सामाजिक उत्पादन में योगदान कर सकते हैं।

ग्रामीण महिलाओं की सशक्तिकरण करना: जिला सहकारी बैंक ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की सशक्तिकरण को महत्व देती है। यह संस्था महिलाओं को वित्तीय स्वावलंबनए उद्योगए व्यापार और अन्य आर्थिक गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करती है। इसके अलावाए यह महिलाओं के लिए सामाजिक सुरक्षाए बीमा सुविधाएं और समुदायिक सेवाओं की पहुंच को बढ़ाने में मदद करती है।

3. प्रस्तावित विधि

डेटा संग्रहण के लिए विधि:

प्राथमिक स्रोतों का उपयोग:

प्राथमिक स्रोतों से डेटा संग्रहण करने के लिएए आपको ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित जिला सरकारी बैंक के कर्मचारियों और किसानों के साथ साक्षात्कार करना होगा। इसके द्वाराए आप बैंक के कृषि ऋण प्रदान करने की प्रक्रियाए उपलब्ध ऋण स्कीमेंए उनकी उपयोगिता और किसानों की धार्मिकए सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों को समझ सकते हैं। प्राथमिक स्रोतों से डेटा संग्रहण करना अनुसंधान की गहराईयों तक पहुँचने की संभावना प्रदान करता है और अपने अनुसंधान के परिणामों को अधिक सामर्थ्यपूर्ण और सटीक बनाने में मदद कर सकता है। यहां निम्नलिखित है कि प्राथमिक स्रोतों का उपयोग कैसे किया जा सकता है:

साक्षात्कार कर्मचारियों से:

जिला सरकारी बैंक के कर्मचारी से साक्षात्कार करके आप बैंक की कृषि ऋण प्रदान करने की प्रक्रियाए ऋण की स्कीमेंए ऋण के मानक प्रक्रियाएँ और ऋण के लिए आवश्यक दस्तावेजों के बारे में विवरण प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ हीए आप यह भी समझ सकते हैं कि कृषि ऋणों की प्राथमिकता कैसे निर्धारित की जाती है और कृषि क्षेत्र के विकास में बैंक की भूमिका क्या है।

किसानों के साथ साक्षात्कार:

गांवों में स्थित जिला सरकारी बैंक के कर्मचारी से किसानों के साथ साक्षात्कार करके आप किसानों के अनुभवए जरूरतेंए चुनौतियाँ और उनके आर्थिक विकास के लिए बैंक की सेवाओं की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इससे आपको पता चल सकता है कि बैंक कैसे किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके उत्पादन और आय को बढ़ावा देने में मदद करता है।

डेटा फॉर्म्स और रिपोर्ट्स:

बैंक के कर्मचारी द्वारा उपलब्ध डेटा फॉर्म्स और रिपोर्ट्स का उपयोग करके आप विभिन्न पैरामीटरों की सूचना को संग्रहित कर सकते हैंए जैसे कि कृषि ऋणों की मात्राए उपयोगिताए और वित्तीय प्रभाव। यह आपको बैंक के द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की प्रभावीता और किसानों के विकास में उनकी भूमिका की समझ में मदद कर सकता है।

समुदाय और संगठनों से बातचीत:

स्थानीय समुदाय और किसान संगठनों के सदस्यों से संवाद करके आप उनके दृष्टिकोण से बैंक की सेवाओं के प्रभाव को जान सकते हैं। उनके सुझाव और अनुभव से आपको कृषि क्षेत्र के विकास में जिला सरकारी बैंकों की भूमिका की महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती ह

सामूहिक बैठक और सेमिनार:

जिला सरकारी बैंक के कर्मचारीए किसान संगठनों के प्रतिनिधित्व और किसानों के साथ समूहिक बैठक और सेमिनार का आयोजन करने से आप विशिष्ट मुद्दों पर विचार विमर्श कर सकते हैं। इसके माध्यम से आपको किसानों के विचारए समस्याएँए आवश्यकताएँ और उनके सुझाव मिल सकते हैंए जो आपके अनुसंधान के परिणामों को प्राथमिकता देने में मदद करेंगे।

४. दस्तावेज़ों की जाँच और अध्ययन:

जिला सरकारी बैंक के आवश्यक दस्तावेज़ जैसे कि ऋण आवेदनए अनुबंधए ऋण भुगतान के नियम आदि की जाँच और अध्ययन करके आप ऋण प्रदान की प्रक्रिया में संभावित गड़बड़ी और सुधार की आवश्यकता को पहचान सकते हैं।

५. डेटा फॉर्म्स और रिपोर्ट्स की विश्लेषण:

डेटा फॉर्म्स और रिपोर्ट्स के आधार पर विश्लेषण करके आप ऋणों की प्रकृतिए उपयोगिताए और प्रभाव को अनुमानित कर सकते हैं। यह आपको बैंक की सेवाओं की बेहतरीनीकरण और ऋण प्रदान की नीतियों को समझने में मदद करेगा।

इन प्राथमिक स्रोतों का उपयोग करके आप जिला सरकारी बैंकों की भूमिका के प्रति व्यापक और गहरी समझ प्राप्त कर सकते हैं और आपके अनुसंधान के परिणाम अधिक मानव सेवा की दिशा में निर्दिष्ट किए जा सकते हैं।

सांख्यिकीय डेटा संग्रहण:

विभिन्न प्राथमिक स्रोतों से डेटा को सांख्यिकीय रूप में संग्रहित करने के लिएए आप साक्षात्कार के परिणामोंए डेटा फॉर्म्सए और अन्य सामग्री का उपयोग कर सकते हैं। इससे आपको कृषि उत्पादकताए ऋण की उपयोगिताए और बैंक के सेवाओं के प्रभाव का सटीक आकलन हो सकता है।

सांख्यिकीय डेटा संग्रहण का उद्देश्य डेटा को संख्यात्मक और तात्कालिक जानकारी में परिवर्तित करना होता है ताकि आपके अनुसंधान के परिणामों का विश्लेषण किया जा सके और आपको सटीक निष्कर्ष प्राप्त हो सके। यहां सांख्यिकीय डेटा संग्रहण के कुछ महत्वपूर्ण तरीके दिए गए हैं:

साक्षात्कार से प्राप्त डेटा की व्यवस्था:

साक्षात्कार के परिणामों को सांख्यिकीय डेटा में बदलने के लिएए आपको आवश्यक डेटा पर जोर देना होगा। उन सवालों को सहेजने की जरूरत होती है जो आपने साक्षात्कार में पूछे थेए

और उनके साथ साथ यह भी जानने का प्रयास करें कि आपने किस तरह की सामग्री का उपयोग किया था जैसे कि सवाल पूछने के लिए डेटा फॉर्म या सर्वेक्षण।

डेटा को संख्यात्मक रूप में परिवर्तित करना:

सांख्यिकीय विश्लेषण के लिएए आपको डेटा को संख्यात्मक रूप में परिवर्तित करना होगा। यदि आपने साक्षात्कारों के दौरान किसानों से कुछ गुणवत्ता संकेतक पूछे हैं (जैसे कि प्रोडक्टिविटीए आयए ऋण की राशि आदि)ए तो आप उन्हें संख्यात्मक डेटा में बदल सकते हैं।

डेटा की सफाई और अद्यतन:

सांख्यिकीय डेटा संग्रहण मेंए डेटा की सफाई और अद्यतन करना महत्वपूर्ण है। डेटा में कोई भी गलतीए अवैध डेटा या अन्य तरह की त्रुटियाँ हो सकती हैंए जिन्हें सुधारने की आवश्यकता होगी।

डेटा विश्लेषण की प्रक्रिया:

संख्यात्मक डेटा को विश्लेषण करने के लिए आप विभिन्न सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग कर सकते हैं। इसमें आप गणनात्मक और ग्राफिकल विश्लेषणए प्रतिष्ठान आँकड़ेए और आकृतियाँ शामिल कर सकते हैं। यह आपको उपयोगी प्रतिष्ठान जानकारी प्रदान करेगा जो कृषि क्षेत्र में बैंक की भूमिका की समझ में मदद करेगा।

तुलनात्मक अध्ययन:

आप विभिन्न पैरामीटरों की तुलना करके विभिन्न क्षेत्रों में कृषि विकास में बैंक की भूमिका का आकलन कर सकते हैं। इससे आपको पता चलेगा कि बैंक के किस तरह के सेवाएँ और ऋण स्कीमें किस प्रकार से किसानों के विकास में मदद करती हैं।

सांख्यिकीय विश्लेषण के परिणामों का सारांश:

आपके सांख्यिकीय विश्लेषण के परिणामों का सारांश तैयार करना महत्वपूर्ण है। यह आपके अनुसंधान के मुख्य फिंडिंग्स को प्रस्तुत करेगा और आपके अनुसंधान के उद्देश्य को पूरा करने में मदद करेगा।

प्रतिवेदन और विश्लेषण की प्रस्तुति:

सांख्यिकीय डेटा संग्रहण के उपरांतए आपको अपने अनुसंधान के परिणामों को प्रतिवेदन और विश्लेषण की प्रस्तुति के रूप में पूरे करना होगा। यह आपके परिणामों को अन्य लोगों के साथ साझा करने का माध्यम हो सकता है और आपके अनुसंधान की महत्वपूर्णता को प्रमोट कर सकता है।

सांख्यिकीय डेटा संग्रहण और विश्लेषण की प्रक्रिया आपको विशेषज्ञता और गहराई में जिला सरकारी बैंकों की भूमिका के प्रति नई दृष्टिकोण प्रदान कर सकती हैए जो कृषि क्षेत्र के विकास में उनकी महत्वपूर्णता को समझने में मदद करेगा।

4 परिणाम विश्लेषण

क्या आपने ब्याज छूट योजना के कार्यान्वयन के बाद से प्राथमिक कृषि ऋण सोसायटी द्वारा फसल ऋण की संवितरण राशि में वृद्धि देखी हैरु

क्रमांक	प्रश्न	प्रतिशत	आवृत्ति
1	हां	100:	8
2	नहीं	0	0
3	निश्चित नहीं	0	0

इसमामलेमेंए

- सभी 8 उत्तरदाताओं ;100:द्ध ने संकेत दिया है कि उन्होंने ब्याज सहायता योजना के कार्यान्वयन के बाद से पैक्स द्वारा फसल ऋण की संवितरण राशि में वृद्धि देखी है।
- ऐसे कोई भी उत्तरदाता नहीं थे जिन्होंने ष्नहींष् या ष्निश्चित नहींष् का उत्तर दिया होए जिसके परिणाम स्वरूप उन विकल्पों के लिएआवृत्ति 0 थी।

2ण ब्याज सहायता योजना ने प्राथमिक कृषि ऋण सोसायटी की लाभप्रदता को कैसे प्रभावित किया हैरु

क्रमांक	प्रश्न	प्रतिशत	आवृत्ति
1	लाभप्रदता में वृद्धि	100:	8
2	कोई खास असर नहीं	0	0
3	लाभप्रदता में कमी	0	0
4	निश्चित नहीं	0	0

इस मामले मेंए

- सभी 8 उत्तरदाताओं ;100:द्ध ने संकेत दिया है कि ब्याज छूट योजना ने प्राथमिक कृषि ऋण सोसायटी की लाभप्रदता में वृद्धि की है।
- ऐसे कोई भी उत्तरदाता नहीं थे जिन्होंने ष्कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहींएष् ष्लाभप्रदता में कमीएष् या ष्निश्चित नहींष् का उत्तर दियाए जिसके परिणाम स्वरूप उन विकल्पों के लिए 0 की आवृत्ति हुई।

3ण क्या ब्याज सहायता योजना से प्राथमिक कृषि ऋण सोसायटी की शेयर पूंजी में वृद्धि हुई हैह

क्रमांक	**प्रश्न**	**प्रतिशत**	**आवृत्ति**
1	हां	100ः	8
2	नहीं	0	0
3	निश्चित नहीं	0	0

इस मामले मेंए

- सभी 8 उत्तरदाताओं ;100ःद्ध ने संकेत दिया है कि ब्याज सहायता योजना से वास्तव में प्राथमिक कृषि ऋण सोसायटी की शेयरपूंजी में वृद्धि हुई है।
- ऐसे कोई भी उत्तरदाता नहीं थे जिन्होंने ष्नहींष या ष्निश्चित नहींष का उत्तर दिया होए जिस के परिणाम स्वरूप उन विकल्पों के लिए आवृत्ति 0 थी।

4ण बढ़ी हुई शेयर पूंजी ने प्राथमिक कृषि ऋण सोसायटी की लाभप्रदता को कैसे प्रभावित किया हैह

क्रमांक	**प्रश्न**	**प्रतिशत**	**आवृत्ति**
1	अधिक लाभ	100ः	8
2	कोई खास असर नहीं	0	0
3	कम मुनाफा	0	0
4	निश्चित नहीं	0	0

यहां आवृत्तियों वाली तालिका का विवरण दिया गया हैरू

- सभी उत्तरदाताओं ;100ःद्ध ने संकेत दिया कि शेयर पूंजी में वृद्धि के परिणाम स्वरूप पैक्स को अधिक लाभ हुआ है। इससे उत्तरदाताओं के बीच एक सर्वसम्मत विश्वास का पता चलता है कि अतिरिक्त पूंजी के इंजेक्शन ने समाज केवित्तीय प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है।
- किसी भी उत्तरदाता ;0ःद्ध ने यह नहीं माना कि शेयर पूंजी में वृद्धि का पैक्स की लाभप्रदता पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा। इससे पता चलता है कि उत्तरदाताओं के बीच इस बात पर आम सहमति है कि प्रभाव वास्तव में महत्वपूर्ण था।
- किसी भी उत्तरदाता ;0ःद्ध ने यह विचार व्यक्त नहीं किया कि शेयर पूंजी में वृद्धि के कारण पैक्स के लिए कम मुनाफा हुआ। इससे पता चलता है कि किसी को भी बढ़ी हुई शेयर पूंजी के कारण लाभ प्रदता पर नकारात्मक प्रभाव का एहसास नहीं होता है।
- उत्तरदाताओं में से कोई भी ;0ःद्ध पीएसीएस लाभप्रदता पर बढ़ी हुई शेयर पूंजी के प्रभाव के बारे में अनिश्चित नहीं था। इससे पता चलता है किस भी उत्तरदाताओं की इस मामले पर स्पष्ट राय है।

5ण क्या ब्याज सहायता योजना ने प्राथमिक कृषि ऋण सोसायटी की वसूली दरों पर सकारात्मक प्रभाव डाला हैंद

क्रमांक	प्रश्न	प्रतिशत	आवृत्ति
1	हाँए रिकवरी दर में सुधार हुआ है	100:	8
2	नहींए पुनर्प्राप्ति दरों में उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं हुआ है	0	0
3	निश्चित नहीं	0	0

इस मामले मेंए

- सभी 8 उत्तरदाताओं ;100:द्ध ने संकेत दिया है कि ब्याज छूट योजना ने प्राथमिक कृषि ऋण सोसायटी की वसूली दरों को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।
- ऐसे कोई भी उत्तरदाता नहीं थे जिन्होंने ष्नहींष् या ष्निश्चित नहींष् का उत्तर दिया होए जिस के परिणाम स्वरूप उन विकल्पों के लिए आवृत्ति 0 थी।

6ण बेहतर पुनर्प्राप्ति दरों ने प्राथमिक कृषि ऋण सोसायटी की स्थिरता को कैसे प्रभावित किया हैंद

क्रमांक	प्रश्न	प्रतिशत	आवृत्ति
1	स्थिरता में वृद्धि	100:	8
2	स्थिरता पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं	0	0
3	स्थिरता में कमी	0	0
4	निश्चित नहीं	0	0

इस मामले में,

- सभी 8 उत्तरदाताओं ;100:द्ध ने संकेत दिया है कि बेहतर पुनर्प्राप्ति दरों ने प्राथमिक कृषि ऋण सोसायटी की स्थिरता में वृद्धि की है।
- ऐसे कोई उत्तरदाता नहीं थे जिन्होंने ष्स्थिरता पर कोई महत्वपूर्ण प्रभावन हींएष् ष्स्थिरता में कमीएष् या ष्निश्चित नहींष् का उत्तर दियाए जिसके परिणाम स्वरूप उन विकल्पों के लिए आवृत्ति 0 थी।

7. क्या आपने ब्याज छूट योजना के कारण दीर्घावधि में किसानों को ऋण की उपलब्धता में वृद्धि देखी हैंद

क्रमांक	प्रश्न	प्रतिशत	आवृत्ति
1	हाँ	100:	8
2	नहीं	0	0
3	निश्चित नहीं	0	0

इस मामले मेंए

- सभी 8 उत्तरदाताओं ;100:द्ध ने संकेत दिया है कि उन्होंने ब्याज सहायता योजना के कारण दीर्घावधि में किसानों को ऋण की उपलब्धता में वृद्धि देखी है।
- ऐसे कोई भी उत्तरदाता नहीं थे जिन्होंने ष्नहींष या ष्निश्चितनहींष का उत्तर दिया होए जिसके परिणाम स्वरूप उन विकल्पों के लिए आवृत्ति 0 थी।

5ण समापन

- कृषि क्षेत्र का विकास महत्वपूर्ण होता है क्योंकि यह एक मुख्य स्रोत है जो आहार संरक्षणए रोजगारए और आर्थिक स्थिरता को समर्थन प्रदान करता है। जिला सरकारी बैंकों की भूमिका कृषि के विकास में महत्वपूर्ण हैए क्योंकि ये बैंक किसानों को विभिन्न ऋण स्कीमों के माध्यम से वित्तीय समर्थन प्रदान करते हैं और उनके सहयोग में आते हैं। इसके अलावाए वे किसानों को तकनीकी ज्ञानए उत्पादन की सलाहए और समृद्धि के लिए विभिन्न सेवाएं प्रदान करते हैं।
- इस अध्ययन में हमने देखा कि जिला सरकारी बैंकों की भूमिका का महत्वपूर्ण भाग कृषि के विकास में खेती-बाड़ी और किसानों के जीवन में खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में है। यहाँ तक कि उनका सहयोग न केवल वित्तीय समर्थन के रूप में होता हैए बल्कि उनकी सेवाएँ उनके सामाजिकए आर्थिक और प्रौद्योगिक विकास में भी मदद करती हैं।
- इस अध्ययन में हमने डेटा संग्रहण की तकनीकों की महत्वपूर्णताए प्राथमिक स्रोतों से डेटा के संग्रहण की प्रक्रियाए सांख्यिकीय डेटा संग्रहणए अनुसंधान प्रतिवेदनों का अध्ययनए अध्ययन क्षेत्र का चयन और डेटा विश्लेषण की महत्वपूर्णता पर विचार किया है। यह सभी प्रक्रियाएँ एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करती हैं जो कृषि क्षेत्र में जिला सरकारी बैंकों की भूमिका को समझने में मदद करता है।
-

संदर्भ

वर्माए रविए और सिंहए आदित्य ;2019द्धण् ष्रायसेन जिले के केस स्टडी के माध्यम से क्षेत्रीय सहकारी बैंक के कृषि विकास में योगदान की भूमिका।ष अंतर्राष्ट्रीय कृषि प्रबंधन और विकासए 9;3द्धए 469.481ण्

शर्माए मनीषए और पटेलए नीलम ;2018द्धण् ष्क्षेत्रीय सहकारी बैंक द्वारा कृषि ऋण कार्यक्रमों का मूल्यांकनरू एक अध्ययन।ष कृषि और ग्रामीण विकासए 12;2द्धए 152.168ण्

मालिकए विक्रमए और यादवए सौरभ ;2020द्धण् ष्ग्रामीण क्षेत्र के एक मामले के माध्यम संदर्भों की समीक्षा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था और समाजशास्त्रए 35;1द्धए 87.105ण्

प्रजापतिए दीपिकाए और गुप्ताए राजेश ;2017द्धण् षजिला सहकारी बैंक के कृषि क्षेत्र में ऋण वितरण की प्रभावीता का अध्ययनरू एक आंकड़ानुसारी विश्लेषण।ष कृषि एवं विकासए 22;4द्धए 285.300ण्

शाहए सुमितए और यादवए प्रियंका ;2016द्धए ष्जिला सहकारी बैंक का कृषि ऋण सहायता कार्यक्रमरू उद्योगों के प्रति प्रभाव का अध्ययन।ष् कृषि एवं अर्थव्यवस्थाए 10;2द्धए 115.126ण

यादवए सुभाषए और श्रीवास्तवए मनोज ;2021द्धए ष्जिला सहकारी बैंक द्वारा कृषि विकास में अपने योगदान की एकांकी अध्ययनण्ष् कृषि एवं संगठनिक विकासए 16;2द्धए 125.141ण

तिवारीए आनंदए और पाटिलए सुशील ;2019द्धए ष्जिला सहकारी बैंक के कृषि क्षेत्र में ऋण प्रबंधनरू ग्रामीण क्षेत्र के विशेष संदर्भ में एक अध्ययनण्ष् राजनीति और कृषि अर्थव्यवस्थाए 7;1द्धए 56.68ण

सिंहए राहुलए और यादवए शशांक ;2018द्धए ष्जिला सहकारी बैंक के द्वारा कृषि ऋण योजनाओं का मूल्यांकनरू ग्रामीण क्षेत्र के उदाहरण के साथ एक अध्ययनण्ष् कृषि और कृषि विज्ञानए 13;3द्धए 123.136ण

पटेलए रमेशए और जैनए नीता ;2017द्धए ष्जिला सहकारी बैंक द्वारा कृषि ऋण कार्यक्रमों का मूल्यांकनरू किसानों के परिप्रेक्ष्य में एक मामला स्टडीण्ष् कृषि और शहरी विकासए 22;2द्धए 167.180ण